>

Title: Need to provide Rajasthan's share of water from the Ranjit Sagar Dam.

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (दौसा): राजस्थान राज्य को रावी व्यास जल, रणजीत सागर बांध,पौंग बांध, एवं भाखड़ा बांध से प्राप्त होता है। रणजीत सागर बांध पंजाब राज्य के नियंत्रण में है एवं अन्य दो बांध भाखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल (बी.बी0एम.बी.) के नियंत्रण में है। वर्तमान में राजस्थान के हिस्से का लगभग 72000 क्यूसेक दिवस पानी पंजाब रीलीज नहीं कर रहा है। इस कारण से इंदिरा गांधी नहर में पेयजल हेतु भी पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है। न्यूनतम आवश्यकता 2200 क्यूसेक पानी के विरूद्ध केवल 1100 क्यूसेक पानी ही मिल रहा है जिससे नहरों के अंतिम छोर पर पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है। इस कारण जनता में भारी आक्रोश है। दूसरी और अब की बार खड़ी फसलें भी पानी के अभाव में नष्ट हो गई। यदि इस समस्या का तत्काल समाधान नहीं हुआ तो स्थिति विकट हो जाएगी एवं कानून व्यवस्था की गंभीर परिस्थितियां बन सकती हैं।

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 की धारा 79 के तहत भांखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल का यह उत्तरदायित्व है कि संबंधित राज्यों को उनके हिस्से का पानी उपलब्ध करायें लेकिन इस मामले में भंखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल ने अपनी असमर्थता जताई।

इसलिए यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार का उर्जा मंत्रालय भांखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल को तत्काल निर्देश दें कि राजस्थान के हिस्से का पानी रीलीज करावें। यदि पंजाब रणजीत सागर बांध से पानी नहीं छोड़ता है तो राजस्थान को पंजाब के पौंग एवं भाखड़ा बांध में राज्य के हिस्से के पानी से पानी छोड़ा जाए। इससे पंजाब के हक पर भी कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। राजस्थान के पानी की मांग इसके निर्धारित हिस्से के अनुरूप है इसेलिए भांखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल को इससे कोई आपत्ति नहीं होने चाहिए। केंद्र सरकार राजस्थान के हिस्से का पानी छुड़वाये।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, the House would take up Item No. 7.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Sir, I would request you may kindly take up the second Bill after deferring the first one. You may please take up Item No. 8. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I think, the House agrees.

Now, the House would take up Item No. 8. Shri Srikant Jena.

...(*Interruptions*)